पायनियर्स

के बारे में जानें

पायनियर्स

के बारे में जानें

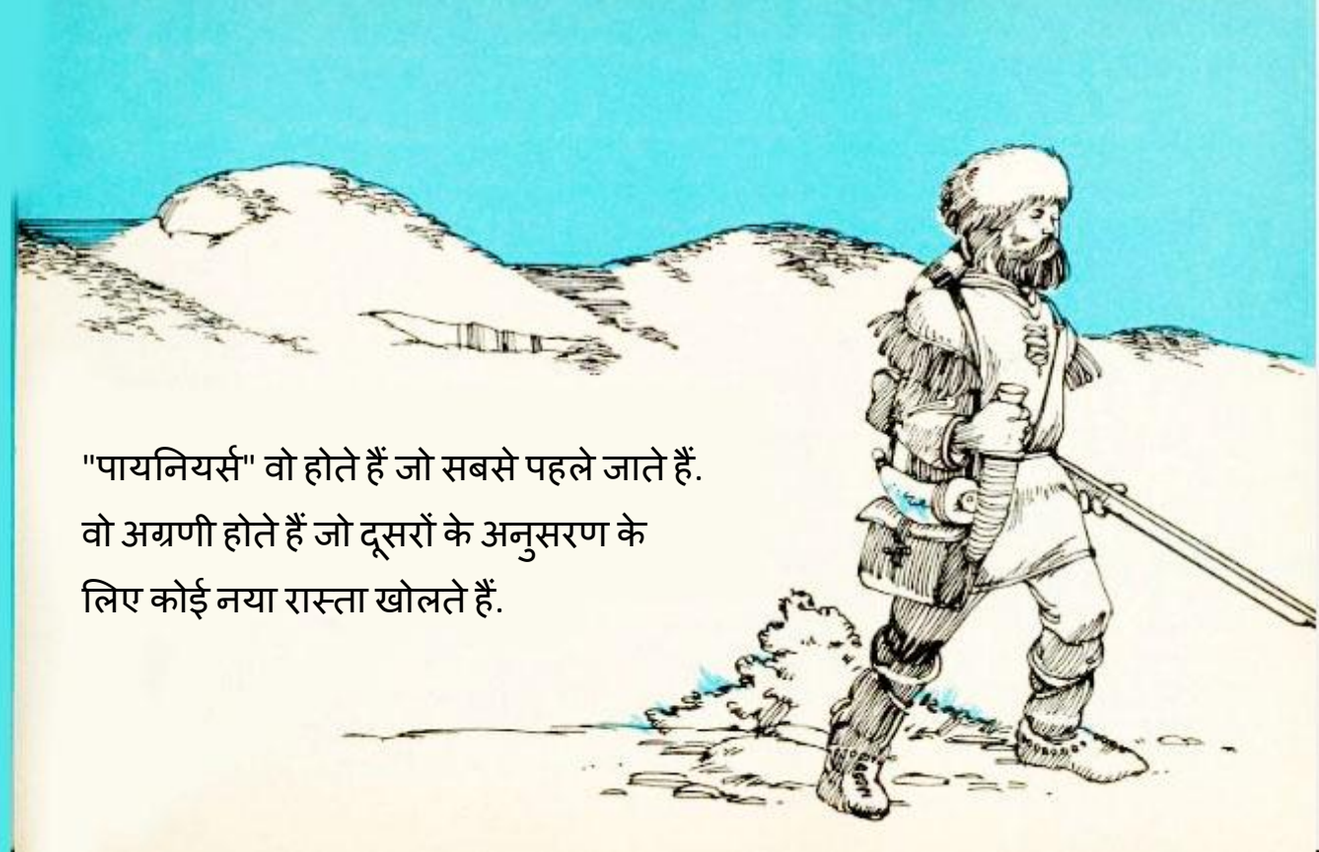

"पायनियर्स" वो होते हैं जो सबसे पहले जाते हैं.
वो अग्रणी होते हैं जो दूसरों के अनुसरण के
लिए कोई नया रास्ता खोलते हैं.

अमेरिकी "पायनियर्स" ने संयुक्त राज्य अमेरिका का आकार बदला. वे पूर्व में अप्पलाचियन पर्वत से लेकर प्रशांत महासागर तक के इलाके में जाकर बसे. उन्होंने दूसरों के अनुसरण के लिए नए-नए रास्ते खोले.

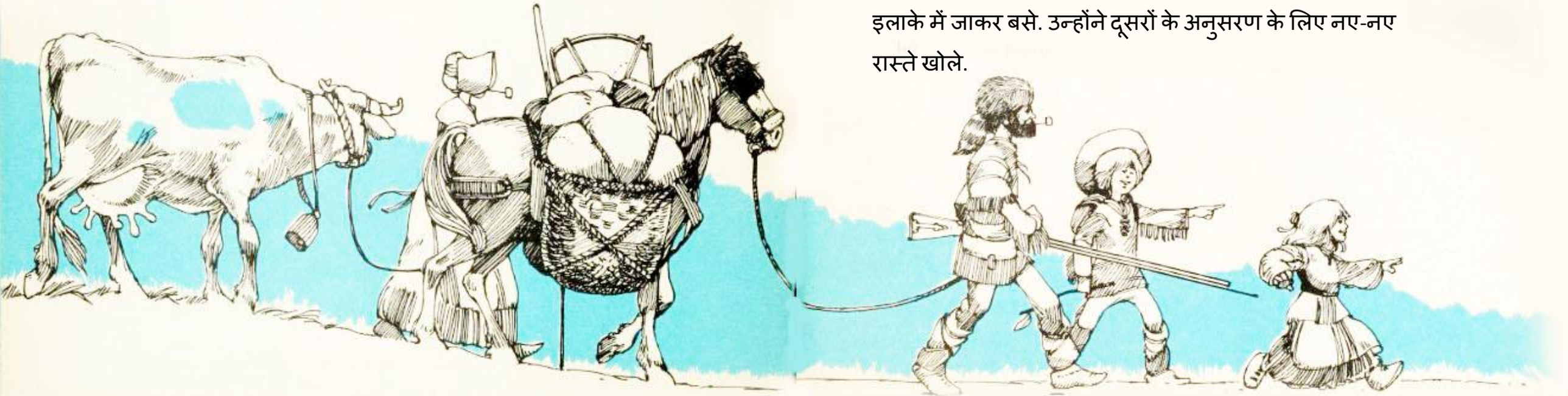

कई "पायनियर्स" प्रसिद्ध हुए.
उनमें से डैनियल बून और डेवी क्रॉकेट दो प्रसिद्ध नाम हैं.

अधिकांश "पायनियर्स" प्रसिद्ध नहीं हुए.
लेकिन वे "पायनियर्स" की कहानी के
सच्चे नायक थे.
उन्होंने देश के विकास में बहुत मदद की.

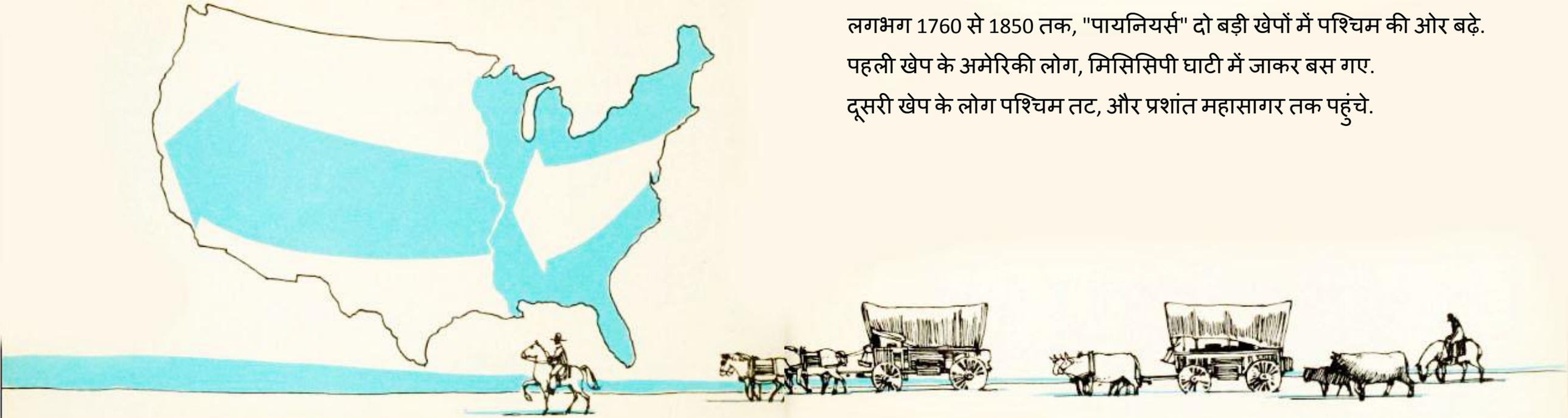

लगभग 1760 से 1850 तक, "पायनियर्स" दो बड़ी खेपों में पश्चिम की ओर बढ़े.
पहली खेप के अमेरिकी लोग, मिसिसिपी घाटी में जाकर बस गए.
दूसरी खेप के लोग पश्चिम तट, और प्रशांत महासागर तक पहुंचे.

"पायनियर्स" को लम्बी यात्रा के लिए बहादुर और मजबूत होना ज़रूरी था. लेकिन उन्होंने शायद बहादुरी के बारे में ज्यादा नहीं सोचा. वे अच्छे उपजाऊ खेतों, खुले स्थानों और एक नया जीवन शुरू करने के बारे में ज़्यादा सोचते थे.

अमेरिका के शुरुआती वर्षों में ज्यादातर लोग किसान थे. लेकिन उन्होंने दूसरे काम भी किए. पायनियर्स ने सबसे पहले तो अपने भोजन के लिए शिकार करना सीखा. उन्हें कुल्हाड़ी से जंगल साफ करना और घर बनाना सीखा. उन्हें कपड़ा बुनना, टूटे हल को ठीक करना और नावों का निर्माण करना सीखा.
जब कोई बीमार पड़े, तो क्या करना चाहिए यह भी उन्होंने सीखा.
और यह चीज़ें उन्हें दूसरों को भी सिखाईं.

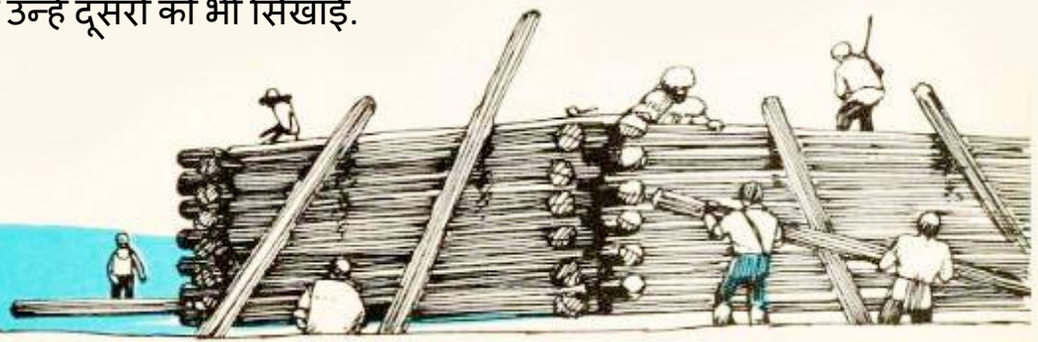

पायनियर्स ने ये सब चीजें अपने लिए सीखीं. इन चीज़ों को पहले किसी और ने नहीं किया था. उस पूरे इलाके में कोई कस्बा नहीं था, कोई अस्पताल नहीं था, कोई भोजन की दुकान नहीं थीं, कोई स्कूल नहीं था, और चीज़ों की मरम्मत करने वाली कोई वर्कशॉप नहीं थी.

वहां बस एक घना जंगल और उसमें रहने वाले इंडियंस थे.

अमेरिकी इंडियंस, पायनियर्स से बहुत पहले बसे थे. अमेरिका के मैदानों में घूमने वाले वे सबसे पहले लोग थे. वे तेज़ बहते झरनों और नदियों में मछली पकड़ने वाले पहले लोग थे. वे कपड़े, भोजन और आश्रय के लिए जंगली जानवरों का शिकार करने वाले पहले लोग थे.

अमेरिकी इंडियंस, बीहड़ और खूबसूरत जंगल में छोटी बस्तियों का निर्माण करने वाले पहले लोग थे.

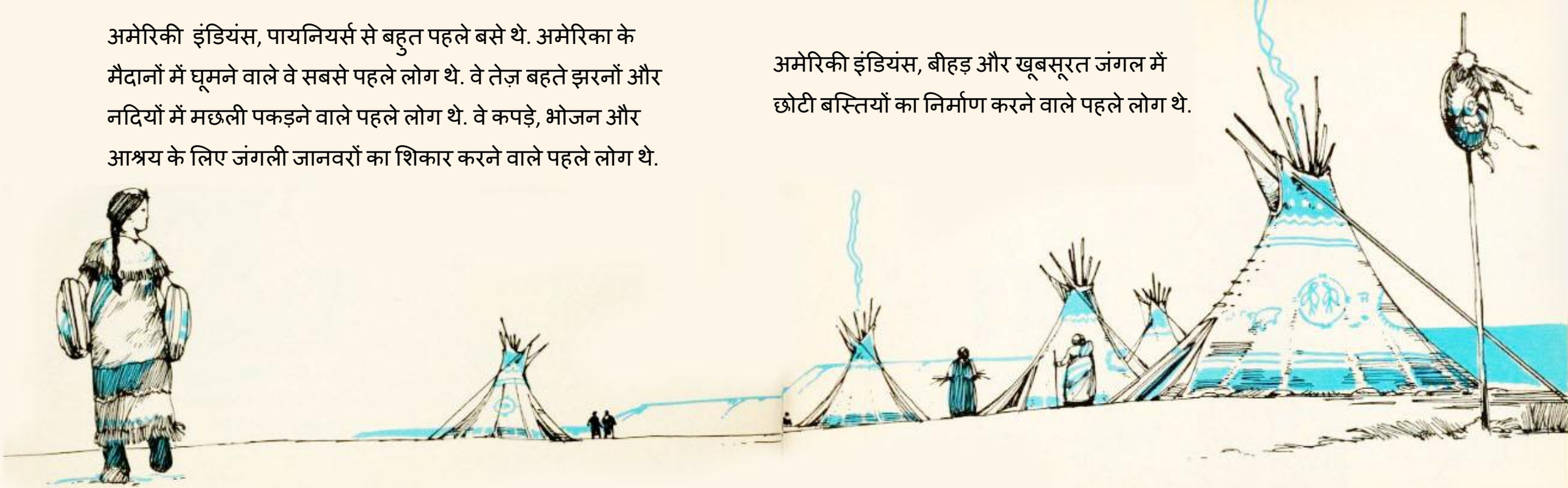

कभी-कभी इंडियंस और पायनियर्स शांति से रहते थे. लेकिन पायनियर्स, अक्सर इंडियंस की भूमि हड़पना चाहते थे. कई बार पायनियर्स और इंडियंस, ज़मीन के कब्ज़े के लिए आपस में लड़े भी. प्रत्येक समूह अपने जीवन के तरीके की रक्षा करना चाहता था.

पायनियर्स को अचानक हमले का डर था. उन्होंने खुद को बचाने के लिए अक्सर एक सुरक्षित इमारत का निर्माण किया. इस इमारत के चारों तरफ दीवार थी जो लगभग 10 फीट या 3 मीटर ऊंची लकड़ियों से बनी थी. पायनियर्स दीवारों की झिरियों में अंदर से अपनी बंदूकों से गोलियां दाग सकते थे.

पायनियर्स आम तौर पर ट्रेलरों (वैगन) पर पश्चिम की यात्रा करते थे.
ये वैगनें खोजकर्ता और फर व्यापारियों द्वारा बनाई गई थीं.
कभी-कभी जंगल में सिर्फ पगडंडियाँ के रास्ते होते थे जो पहाड़ के
बीच छोटे रिक्त स्थानों के बीच से होकर गुज़रते थे.

पगडंडियाँ, गड्ढों और टीलों से भरी होती थीं. उनसे वैगनों के पहिए टूट
जाते थे. बारिश के मौसम के दौरान, पगडंडियाँ कीचड़ से भर जाती थीं.

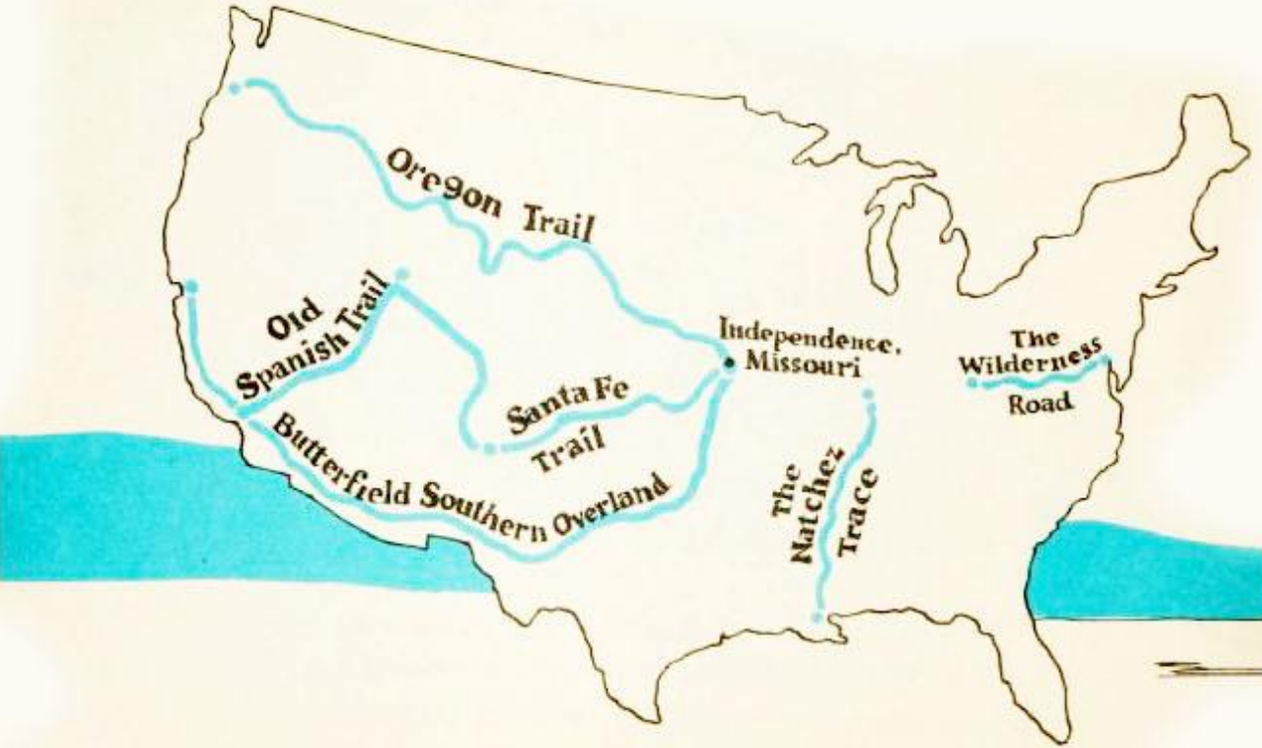

पगडंडियाँ चाहें जितनी भी खराब हों पर उनके नाम बहुत रंगीले थे. पुरानी स्पैनिश ट्रेल, जंगल रोड, सांता फ़े और ओरेगन ट्रेल्स जैसे उनके नाम थे. सभी पगडंडियों ने नए साहसिक कार्यों के साथ कभी-कभी खतरे को भी जन्म दिया.

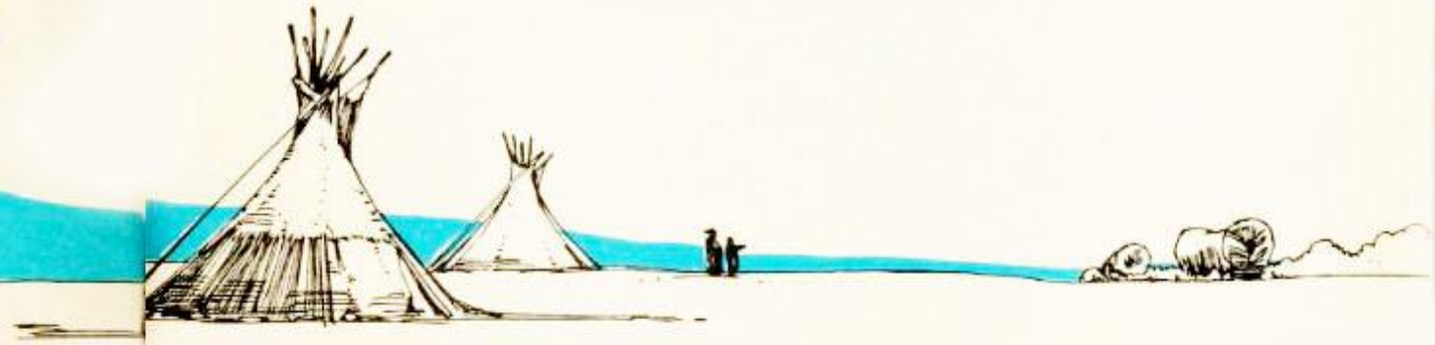

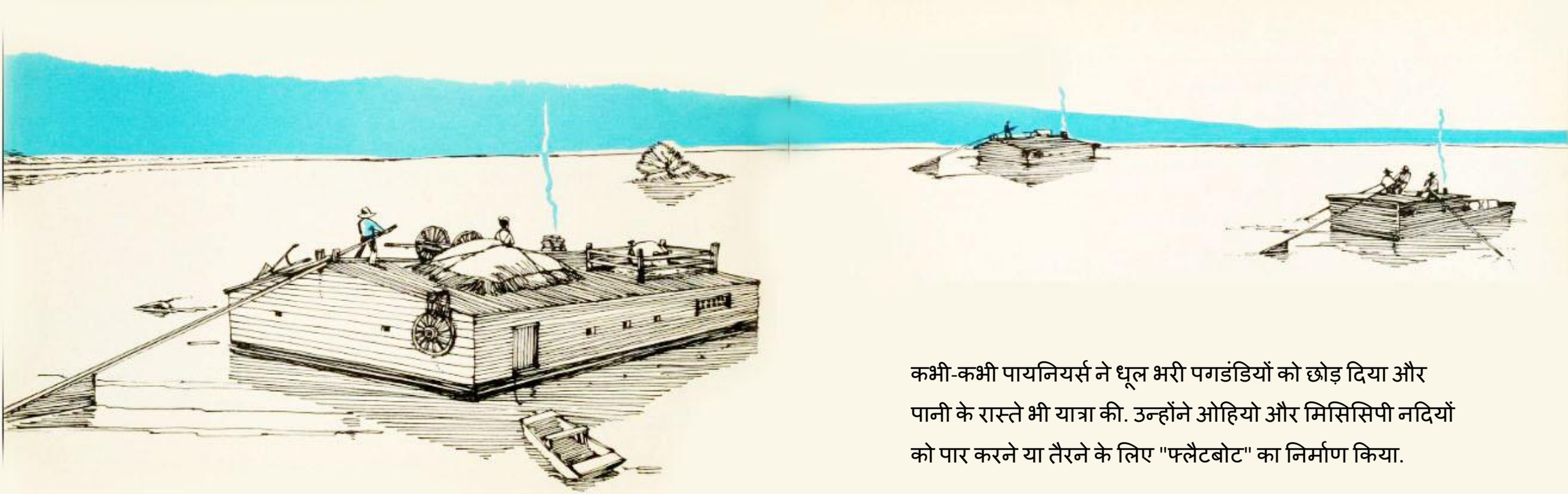

कभी-कभी पायनियर्स ने धूल भरी पगडंडियों को छोड़ दिया और पानी के रास्ते भी यात्रा की. उन्होंने ओहियो और मिसिसिपी नदियों को पार करने या तैरने के लिए "फ्लैटबोट" का निर्माण किया.

कैलिफोर्निया जाने वाले एक पायनियर्स परिवार ने यात्रा पर जाने की योजना बनाई थी, जिसमें चार या पाँच महीने लगते. परिवार के काम आने वाली लगभग हर चीज को एक वैगन में लोड किया गया. वैगन को कैनवास से ढक दिया गया और उसे खच्चरों या बैलों द्वारा खींचा गया.

कई पायनियर्स परिवारों ने एक साथ पश्चिम की यात्रा की. कभी-कभी एक-सौ वैगनों की ट्रेन में कई सौ परिवार एक साथ यात्रा करते थे. इन शुरुआती वैगनों को "प्रेयरी स्कूनर्स " कहा जाता था. प्रेयरी के सपाट मैदान को पार करते समय कभी-कभी यह कारवां वैगनों की जगह नाव की तरह दिखता था.

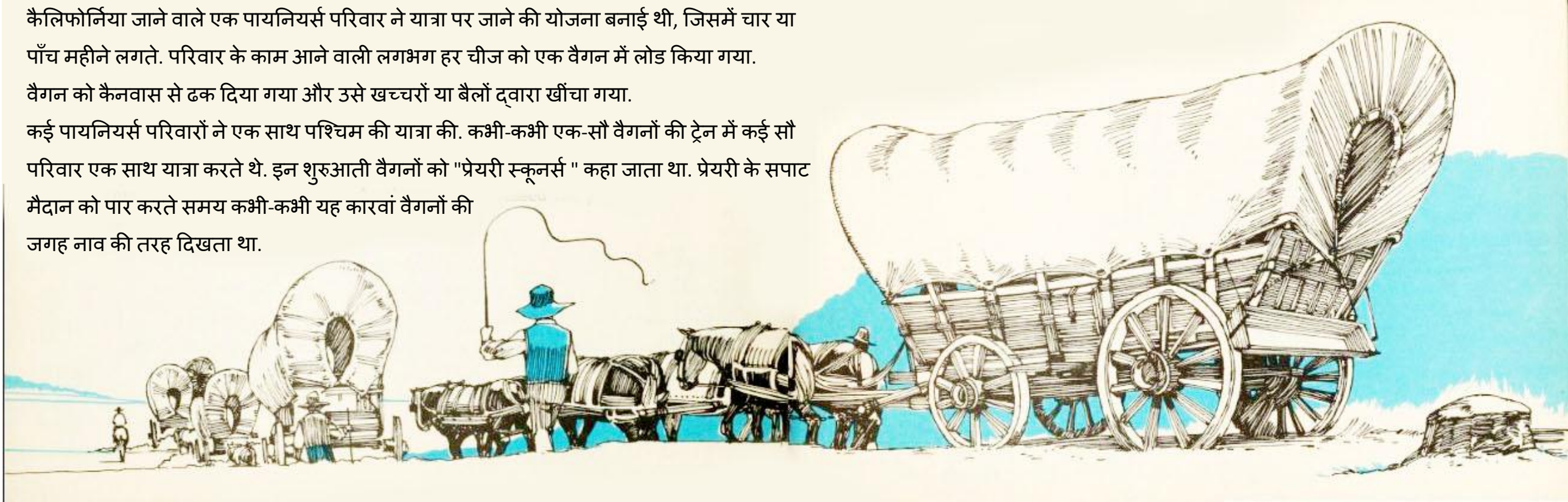

सभी पायनियर्स के पास वैगनें नहीं थीं. कुछ पायनियर्स, घोड़ों की पीठ पर भी सवारी करते थे. कुछ ने अपनी पूरी यात्रा पैदल-पैदल की.

हर वैगन-ट्रेन को एक लीडर और एक गाइड की जरूरत होती थी. पायनियर्स अपने लीडर को शहर के मेयर की ही चुनते थे. वे उसके आदेश को मानते थे. एक गाइड जंगल के रास्ते में, वैगन-ट्रेन का नेतृत्व करता था. उसे सबसे अच्छे और सुरक्षित रास्ते पता होते थे. वो यह भी जानता था कि ताजा पानी कहां मिलेगा.

किट कार्सन और जिम ब्रिजर जैसे पुरुष प्रसिद्ध गाइड थे.

वैगन-ट्रेनें अक्सर इंडिपेंडेंस, मिसौरी नाम के स्थान पर मिलती थीं.
वहां से वैगनें उत्तर-पश्चिम में ओरेगन ट्रेल पर जाती थीं.
वे फ्लैट ग्रेट प्लेन्स और ऊंचे रॉकी पर्वत को पार करती थीं.

कैलिफोर्निया जाने वाले पायनियर्स, फोर्ट हॉल में ओरेगन ट्रेल
को छोड़ देते थे. वहां से वो कैलिफोर्निया ट्रेल द्वारा सटर के किले
और सैक्रामेंटो का रास्ता पकड़ते थे.

सांता-फे ट्रेल द्वारा पायनियर्स दक्षिण-पश्चिम की यात्रा करते थे.
उस लंबी पगडंडी पर जीवन बहुत कठिन और खतरनाक होता था. वैगन एक दिन में
केवल 15 से 20 मील या 24 से 32 किलोमीटर की दूरी ही तय कर पाती थी.
अक्सर खाने का सामान ख़त्म हो जाता था. वैगन टूट जाती थी.
बैल बीमार होकर दम तोड़ देते थे. अक्सर लोग बीमार होकर मर भी जाते थे.

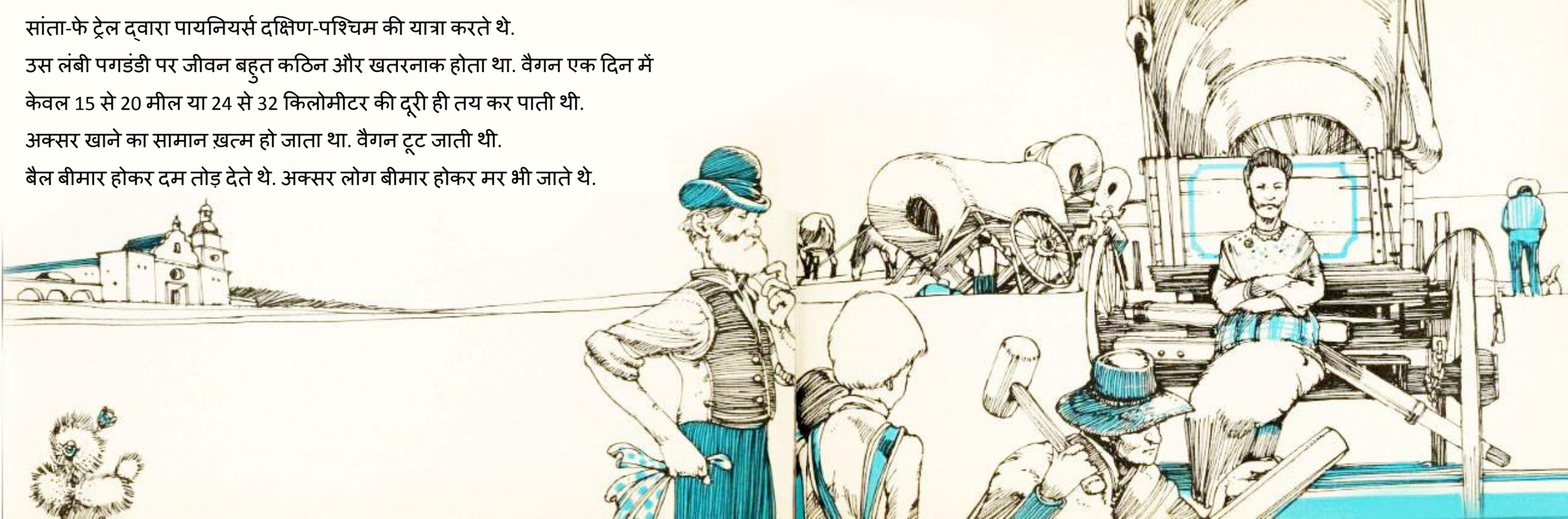

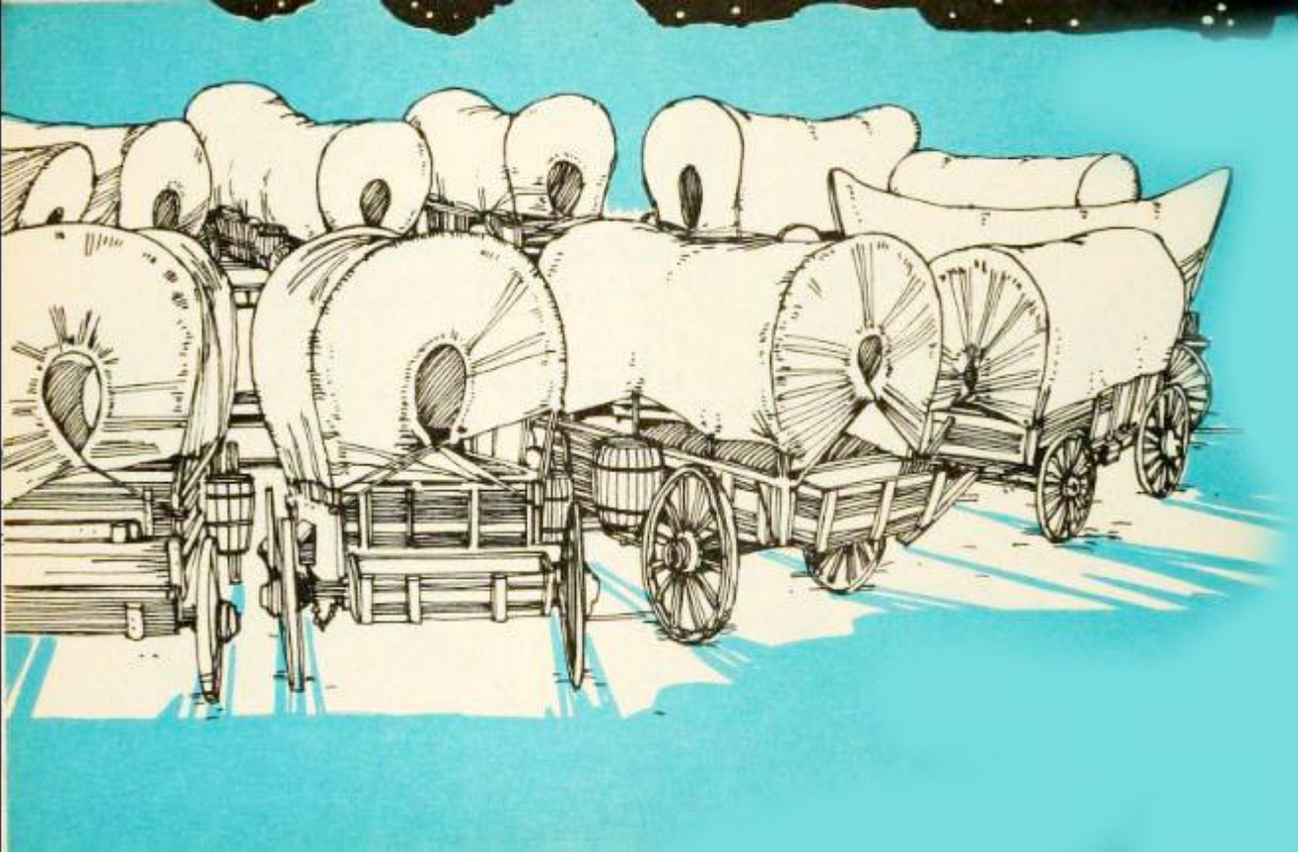

कुछ इंडियन जनजातियों ने पायनियर्स की यात्रा में मदद की. लेकिन दूसरों ने वैगन-ट्रेनों पर हमला भी किया.

सुरक्षा के लिए, पायनियर्स रात में अपनी वैगनों को एक गोले के आकार में खड़ा करते थे. उसे "रात्रि-छल्ला" कहा जाता था.

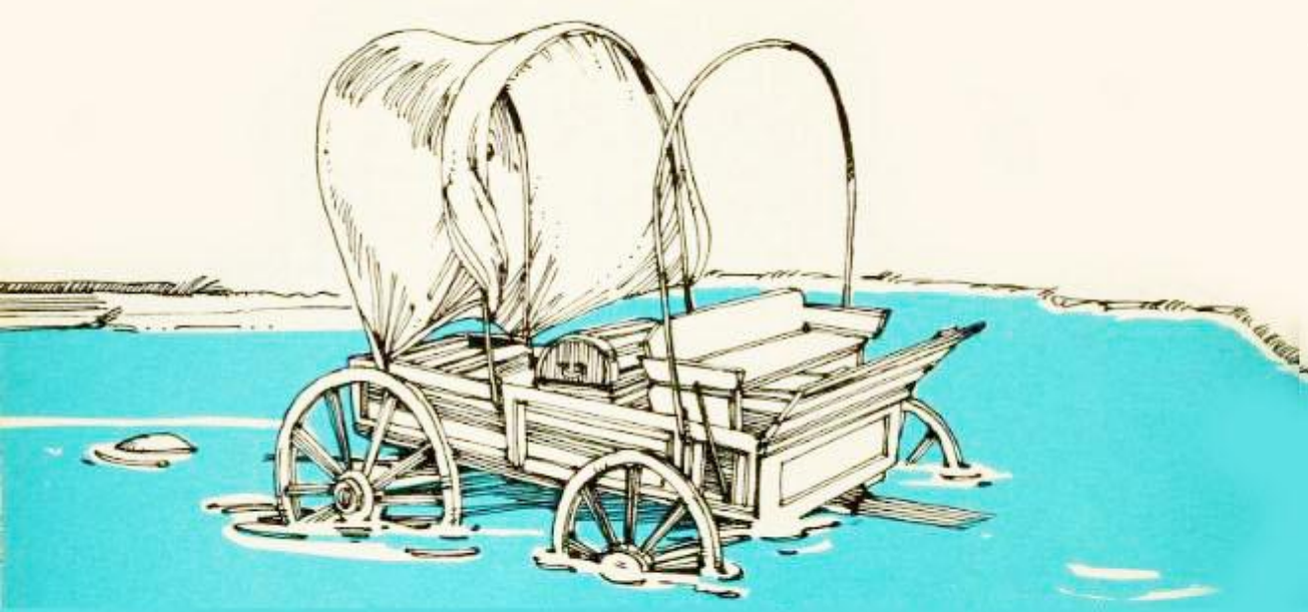

मौसम एक और बड़ी चिंता थी. बहुत अधिक बारिश होने पर, वैगन के पहिए कीचड़ में फंस जाते थे. और बाढ़ सब कुछ बहा सकती थी.

गर्म मौसम में मक्खियों और मच्छरों के झुंड परेशान करते थे. यदि बर्फबारी हुई तो पूरी वैगन-ट्रेन सफ़ेद बर्फ की चादर से ढक जाती थी.

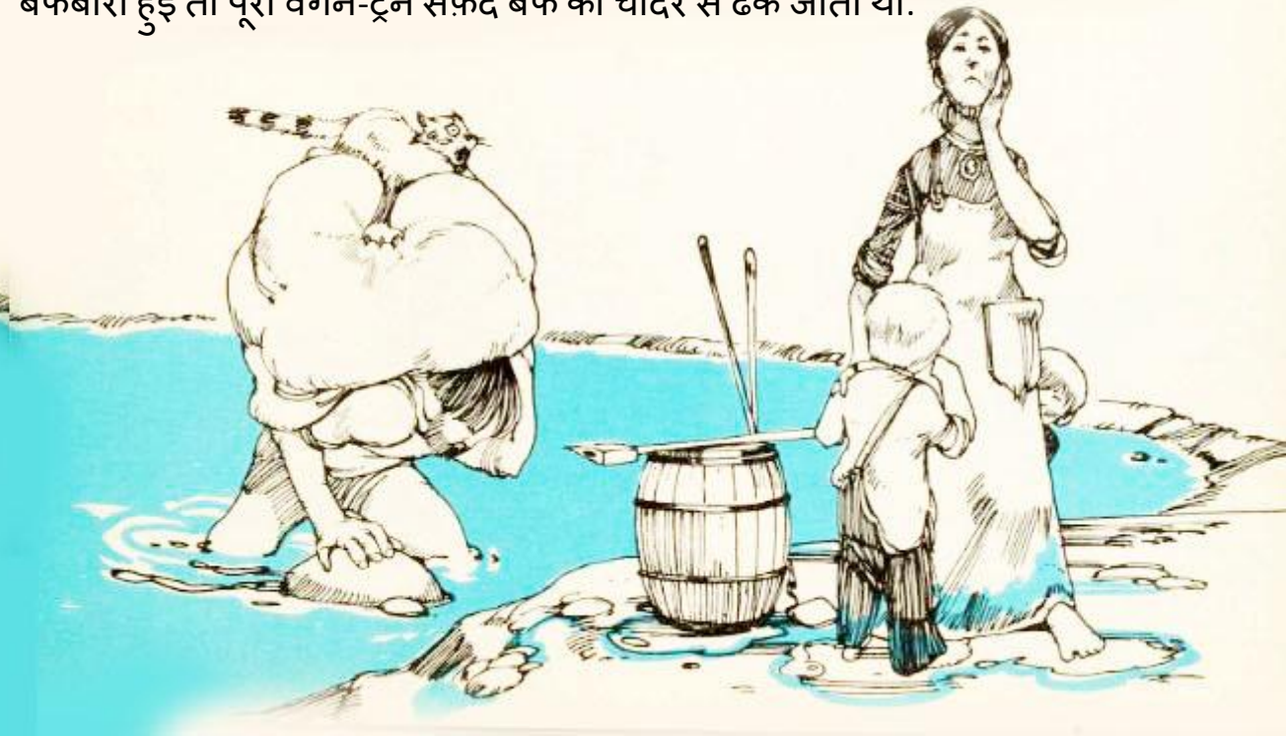

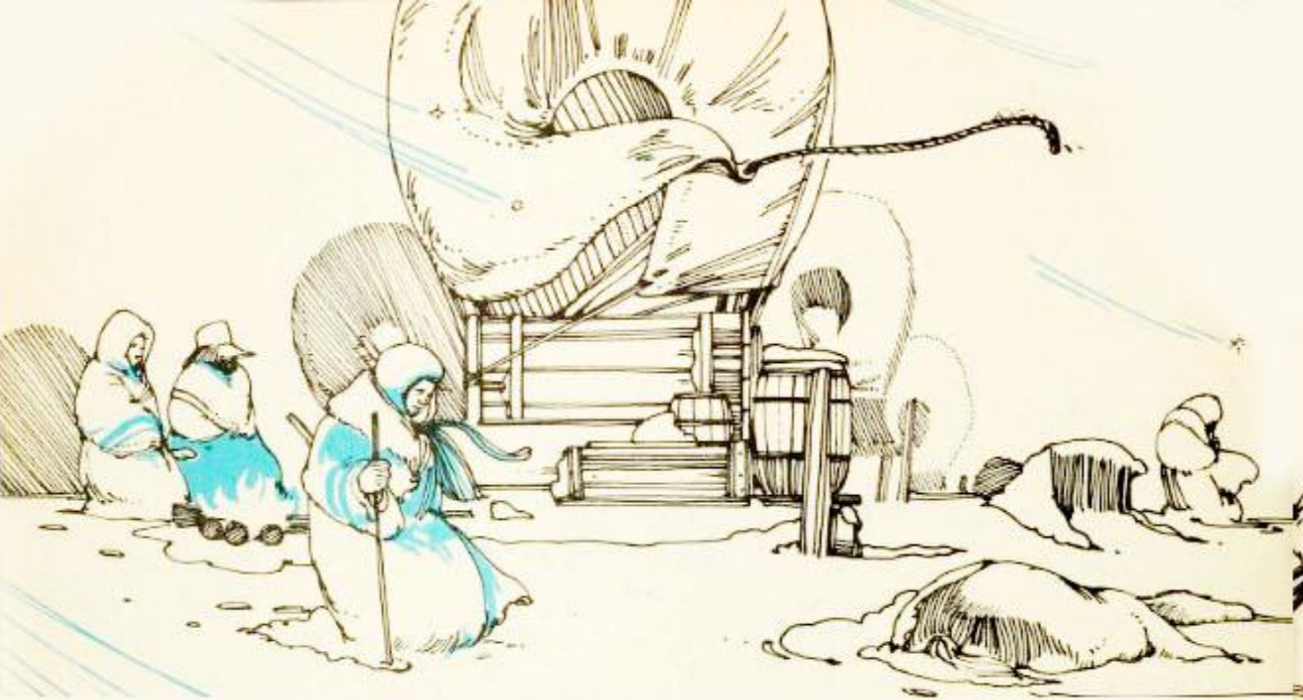

अधिकांश वैगन-ट्रेन पूर्व से वसंत में अपनी यात्रा शुरू करती थीं.
सर्दियां आने से पहले पायनियर, पश्चिम पहुँचना चाहते थे.

1846 में, जॉर्ज और जैकब डोनर के नेतृत्व में पायनियर्स का एक दल एक भयानक बर्फ के तूफान में फंस गया. दो महीनों तक वे कैलिफोर्निया में सिएरा नेवादा पर्वत को नहीं छोड़ सके. भोजन खत्म होने पर लोग कभी-कभी अपने जूते भी खाने को मज़बूर होते थे. उनमें से लगभग आधे लोग मारे गए. जिस स्थान पर वे फंसे थे उस जगह को अब "डोनर-पास" के नाम से जाना जाता है.

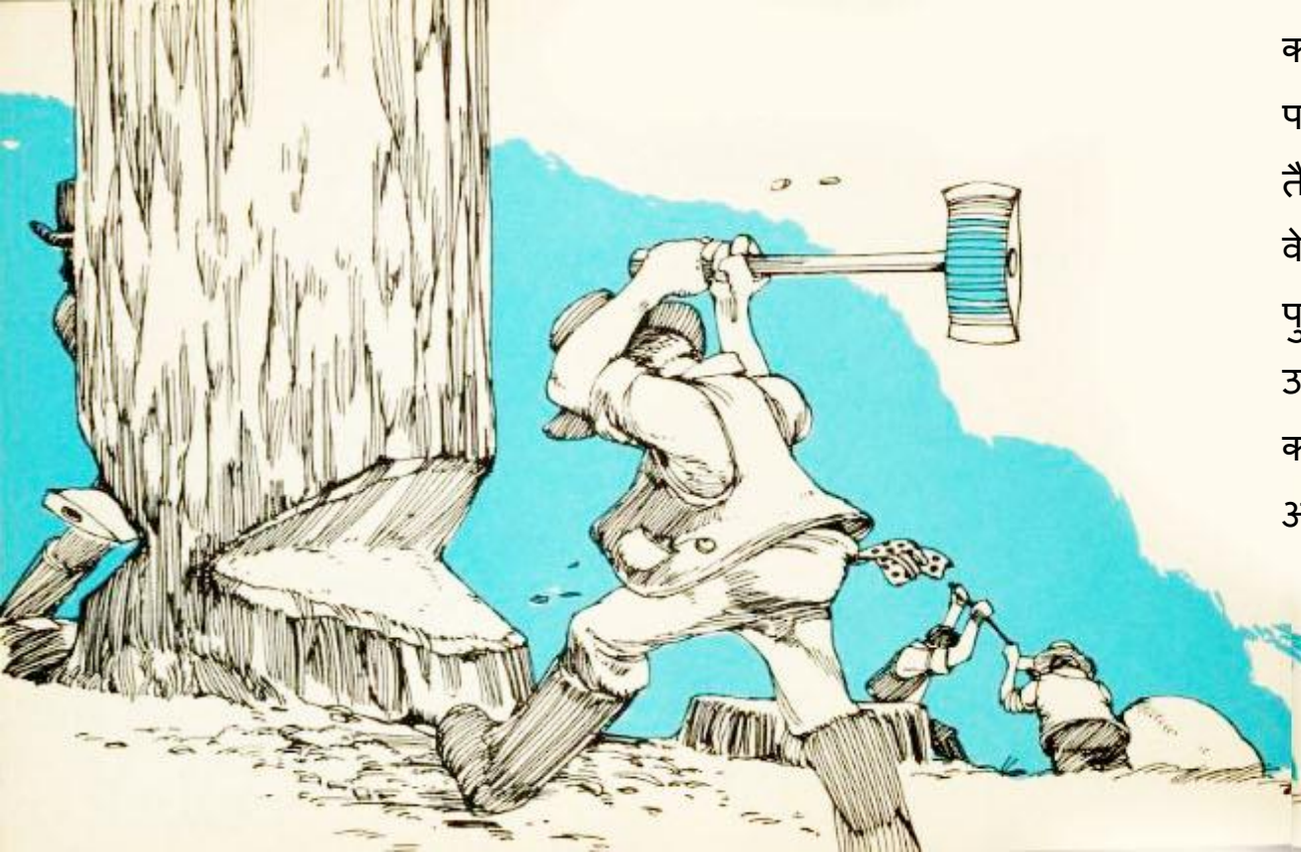

कई महीनों की लंबे यात्रा के बाद, पायनियर्स अपने नए घरों में पहुँचे. लेकिन वहां भी उनकी परेशानी खत्म नहीं हुई थी. सबसे पहले उन्हें फसल बोने के लिए जमीन को रोपण के लिए तैयार करना था. घर बनाने से ज्यादा महत्वपूर्ण था फसल बोना. क्योंकि भोजन के बिना, वे भूखे मर जाते.

पुरुषों, महिलाओं और बच्चों सभी ने ज़मीन साफ करने और बीज बोने में अपनी मदद की. उनके पास कोई मशीन नहीं थी, सिर्फ कुल्हाड़ी और नंगे हाथ थे. पड़ोसियों ने फसल बोने के काम में एक-दूसरे की भरपूर मदद की. एक-दूसरे की मदद करना पायनियर भावना का एक अहम हिस्सा था.

जमीन साफ करने के बाद, परिवार अपने लिए एक घर बना सकता था. कई घर, सिर्फ लॉग केबिन थे. पायनियर्स ज़मीन साफ़ करने के लिए पेड़ों को काटते थे. वे पेड़ों के तनों को एक साथ फिट करके खुद के लिए एक-कमरे का घर बनाते थे. ठंड और बारिश को घर से बाहर रखने के लिए वो मिट्टी या काई से तनों के बीच की झिरियों को भर देते थे. इस काम में सब एक-दूसरे की मदद करते थे. केबिन के अंदर आग जलाने के लिए एक अलाव होता था.

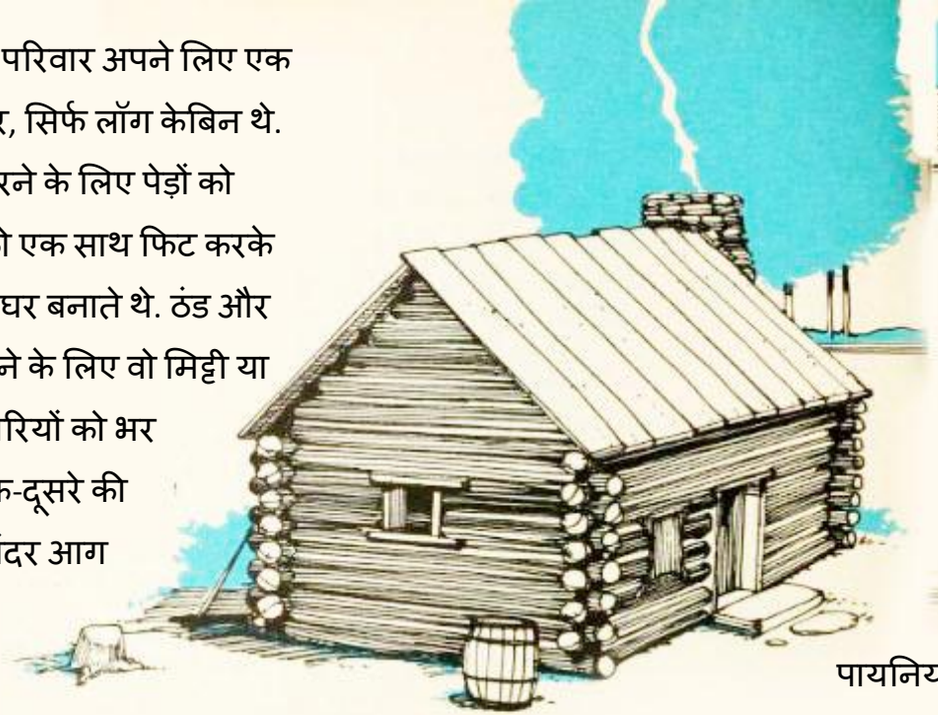

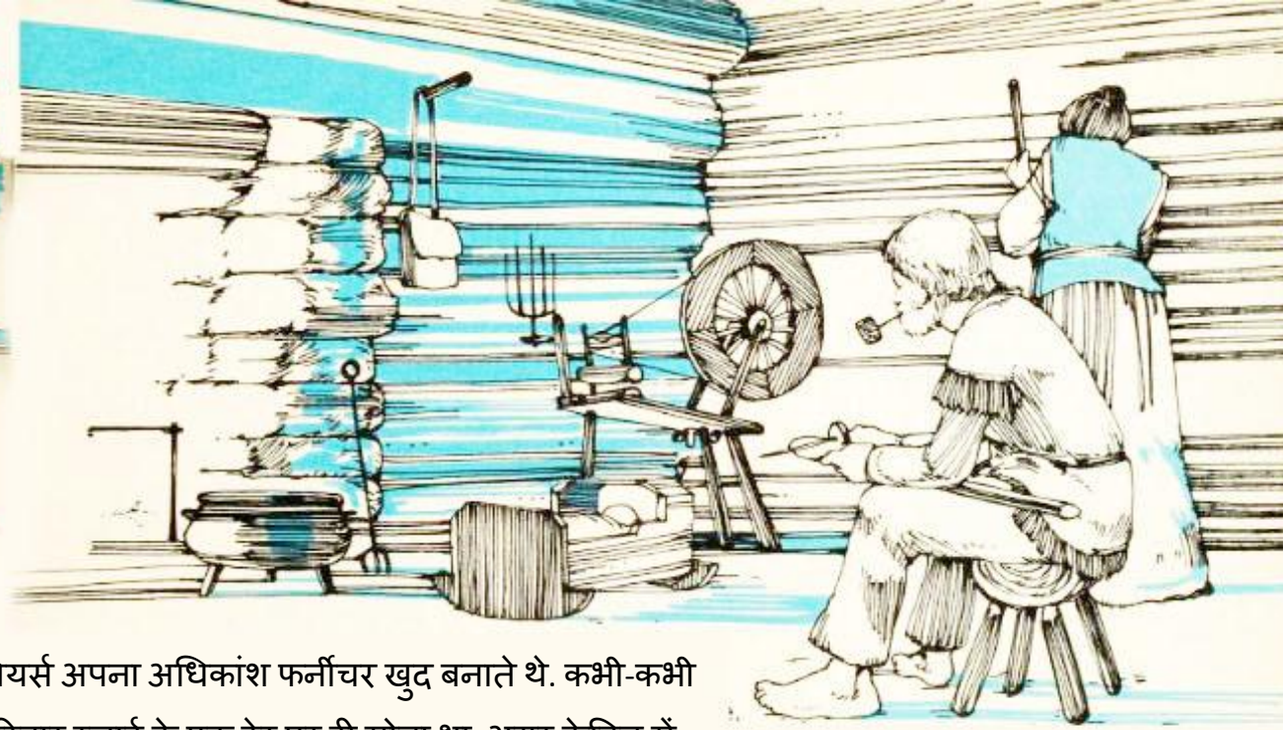

पायनियर्स अपना अधिकांश फर्नीचर खुद बनाते थे. कभी-कभी पूरा परिवार रजाई के एक ढेर पर ही सोता था. अगर केबिन में मचान होती तो बच्चे वहां सोते थे. एक खड़ी सीढ़ी पर चढ़कर वे मचान तक पहुँचते थे.

नई भूमि पर बसने के लिए लोगों को बहुत काम करना होता था. लेकिन लोग मौज-मस्ती के लिए भी समय निकालते थे. जब कभी संभव होता तब कई परिवार आपस में मिलकर पार्टियां करते थे. वे अक्सर मिलकर मक्का छीलने और रज़ाइयां बनाने का काम करते थे. पार्टियों में वे रेस लगाते थे और शूटिंग प्रतियोगिता भी आयोजित करते थे. तब कोई वाद्ययंत्र उठाकर बजाता था जिससे फिर नाच-गाने का कार्यक्रम शुरू होता था.

अमेरिकी पायनियर्स पश्चिम की ओर बहुत आगे बढ़े और
उससे उन्होंने देश को बड़ा और मजबूत बनाया.
हालाँकि उनका जीवन कठिन था, लेकिन उनके पास कई
अच्छी चीजें थीं. उनके पास खुली जगह, उपजाऊ ज़मीन,
ताज़ा पानी और स्वच्छ हवा थी. वे आजाद थे ...

... और उनमें महान पायनियर्स की भावना कूट-कूट कर भरी थी जिसने अमेरिका को एक महान राष्ट्र के रूप में विकसित होने में मदद की.

समाप्त